लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Times of India
दिनांक 4.2.2020 पृष्ठ सं 5 कॉलम 1

HAU celebrates golden jubilee

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryan Agricultural University (CCSHAU), Hisar, celebrated its golden jubilee foundation day on Monday. Union minister of state for animal husbandry, dairy and fisheries Sanjeev Balyan, an alumnus of HAU, inaugurated a two-day book exhibition on the occasion. The function was presided over by HAU vice-chancellor Professor K P Singh.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....अमर उजाला....
दिनांक....5-2-2020.... पृष्ठ सं....6.... कॉलम....4-5....

मनुष्य के लिए मार्गदर्शक होती हैं पुस्तकें : प्रो. केपी

अमर उजाला ब्यूरो

■ हकृवि में पुस्तक प्रदर्शनी का समापन

बोले - किताबें पढ़ने से मन रहता है स्थिर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू लाइब्रेरी में आयोजित पुस्तक प्रदर्शनी का समापन मंगलवार को हुआ। समापन अवसर पर कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि थे।

इस मौके पर प्रो. सिंह ने कहा की इंटरनेट के दौर में भी पुस्तकों एवं पुस्तकालय की यथार्थता हमेशा बनी रहेगी। पुस्तकें ज्ञानवर्धक होने के साथ मनुष्य के लिए मार्गदर्शक भी होती हैं। इन्हें ज्ञान का 'पावर हाउस' माना जा सकता है।

लिखना इंसानी जीवन में सबसे बड़ा आविष्कार है और लिखी हुई चीजें एक तरह की दलीलें हैं। पढ़ने वाले के पास शब्दों का भंडार खुलता जाता है।

किताबें पढ़ने से मन स्थिर रहता है, जो याददाश्त को बनाए रखने में मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि पुस्तक प्रदर्शनी शुरुआत में दो दिन की थी, लेकिन पाठकों की रुचि को देखते हुए इसे तीन दिन का कर दिया गया था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओएसडी, रजिस्ट्रार, सभी डीन व डायरेक्टर उपस्थित थे।

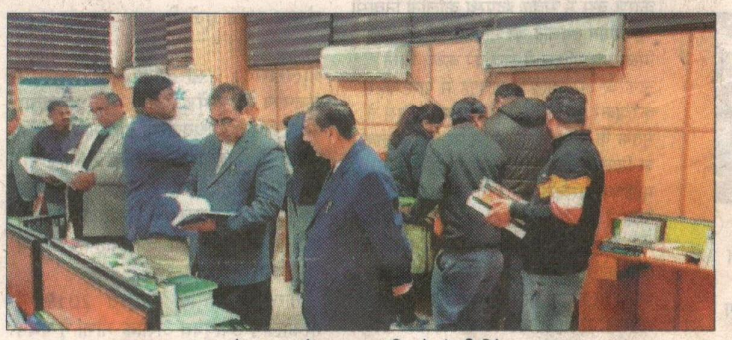

पुस्तक का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह। - अमर उजाला

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 5.2.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 2-3

पुस्तकें ज्ञानवर्धक होने के साथ मनुष्य का मार्गदर्शन करती हैं : प्रो. केपी सिंह

एचएयू में चल रही पुस्तक प्रदर्शनी का तीसरे दिन हुआ समापन

हिसार एचएयू के नेहरू लाइब्रेरी में आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का मंगलवार को समापन हो गया। कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। प्रो. सिंह ने कहा कि आज के इस इन्टरनेट या यह कहें की गूगल के दौर में भी पुस्तकों एवं पुस्तकालय की यथार्थता हमेशा बनी रहेगी। पुस्तकें ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ मनुष्य के लिए मार्गदर्शन भी होती है। इन्हें ज्ञान का 'पॉवर हाउस' माना जा सकता है। यहां से कई तरह की मानसिक शक्तियां हमारे अन्दर पैदा होती हैं। लिखना इंसानी जीवन में सबसे बड़ा आविष्कार है और लिखी हुई चीजें एक तरह की दलीलें हैं। किताबें पढ़ने से दिमाग अक्सर सोचने की क्रिया में रहता है या यों कहें कि जवान रहता है।

पढ़ने वाले के पास शब्दों का भंडार खुलता जाता है। किताबें पढ़ने से मन स्थिर रहता है, जो याददाश्त को बनाए रखने में

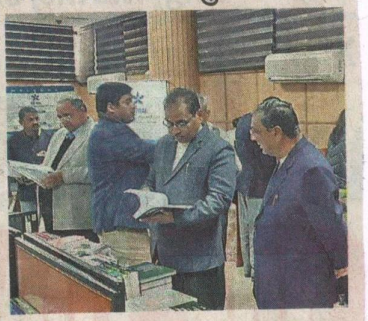

मददगार साबित होती है व प्रदर्शित पुस्तकों का अवलोकन किया।

पुस्तकालाध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी में 11 जाने माने पब्लिशर्स/वेंडर्स ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनी में लगभग 10 हजार पुस्तकें विभिन्न विषयों पर प्रदर्शित की गई।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... पंजाब केसरी .....
दिनांक 5.2.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-4

पुस्तकें ज्ञान का 'पॉवर हाऊस': कुलपति

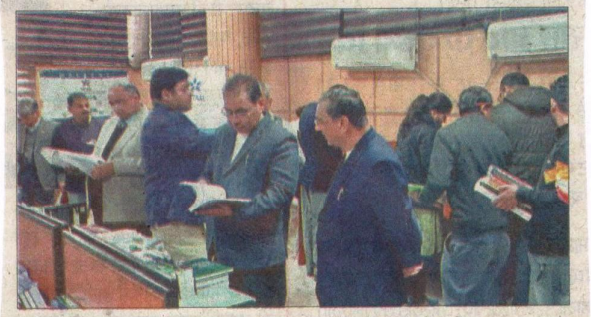

पुस्तक का अवलोकन करते कुलपति प्रो. के.पी. सिंह।

हिसार,4 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरु लाइब्रेरी में आयोजित 3 दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन हुआ।

पुस्तक प्रदर्शनी के समापन अवसर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह मुख्यातिथि थे। प्रो. सिंह ने कहा कि आज के इस इन्टरनैट या यह कहें की गूगल के दौर में भी पुस्तकों एवं पुस्तकालय की यथार्थता हमेशा बनी रहेगी। पुस्तकें ज्ञान वर्धक होने के साथ साथ मनुष्य के लिए मार्गदर्शक भी होती है इन्हें ज्ञान का 'पॉवर हाऊस' माना जा सकता है।

पुस्तकालाध्यक्ष डा. बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी में 11 जाने माने पब्लिशर्स/वैंडर्स ने भाग लिया। इस प्रदर्शनी में लगभग 10,000 पुस्तकें विभिन्न विषयों पर प्रदर्शित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के ओ.एस.डी., रजिस्ट्रार, सभी डीन व डायरैक्टर उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 5-2-2020 पृष्ठ सं 17 कॉलम 4

ज्ञान का पॉवर हाउस हैं पुस्तकें : प्रो. केपी

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नेहरू लाइब्रेरी में आयोजित तीन दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का समापन हुआ। इस अवसर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। प्रो. सिंह ने कहा कि आज के इंटरनेट या गूगल के दौर में भी पुस्तकों एवं पुस्तकालय की यथार्थता हमेशा बनी रहेगी। पुस्तकें ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ मनुष्य के लिए मार्गदर्शक भी होती हैं। इन्हें ज्ञान का 'पॉवर हाउस' माना जा सकता है। किताबें पढ़ने से हमारा दिमाग अक्सर सोचने की क्रिया में रहता है। पुस्तकालाध्यक्ष डा. बलवान सिंह ने बताया कि इस प्रदर्शनी में 11 जाने माने पब्लिशर्स व वेंडर्स ने भाग लिया था। पुस्तक प्रदर्शनी में पाठकों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया एवं पुस्तकों का चयन नेहरू पुस्तकालय के लिए किया एवं व्यक्तिगत उपयोग के लिए भी ली। पुस्तक प्रदर्शनी शुरुआत में दो दिन की थी लेकिन पाठकों की रूचि को देखते हुए इसे तीन दिन के लिए कर दिया था।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....The Hindustan Times....
दिनांक....5.2.2020.... पृष्ठ सं....2.... कॉलम....1....

HAU DEVELOPS OATS VARIETY

HISAR: The Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University's fodder section of the department of Genetics and Plant Breeding has developed new fodder oats variety HFO 607 which was identified in the Varietal Identification Committee meeting during its National Group Meet held at Central Agricultural University, Imphal. The vice-chancellor KP Singh congratulated the team of scientists and said that this variety of oats has been identified for cultivation in North West region mainly Haryana, Punjab, Rajasthan, Terai region of Uttarakhand and Western Uttar Pradesh. It is suitable for timely sown, irrigated under single cut system. **HTC**

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: अमर उजाला
दिनांक: 5-2-2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 1-3

जई : एचएफओ 607 किस्म को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

एक कटाई और सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है नई किस्म

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स ऐंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग की ओर से जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। इसे नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल में फोरेज क्रॉप्स ऐंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया।

जई की नई उन्नत एचएफओ 607 किस्म।

इन्होंने किया विकसित

एचएफओ 607 को डॉ. डीएस फौगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मीनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलविंदर पाल सिंह और डॉ. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए बेहतर है। यह किस्म उत्पादन और पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई व सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है।

615.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती हरे चारे की पैदावार : एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दी, जो राष्ट्रीय चेक कैंट (549.4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (531.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चेक ओएल 125 (565.3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक कैंट (115.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (106.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी। इसने नॉर्थ वेस्ट जोन चेक ओएल 125 (107.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) की तुलना में सूखे चारे की उपज के लिए 21.77 प्रतिशत की श्रेष्ठता दिखाई। इस किस्म ने 27.6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बीज की पैदावार दी और यह राष्ट्रीय चेक कैंट और ओएस 6 तथा जोनल चेक ओएल 125 के बराबर थी और श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 29.0 प्रतिशत बेहतर थी। एचएफओ 607 में पोषण की गुणवत्ता में भी अच्छी है और 9.23 प्रतिशत कच्चे प्रोटीन को दर्शाती है। इसकी इन विट्रो ड्राई मेटर डाइजेस्टिबिलिटी नेशनल चेक कैंट और ओएस 6 से 5.03 प्रतिशत बेहतर है और जोनल चेक ओएल 125 व श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 5.43 प्रतिशत अधिक है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 5.2.2020 पृष्ठ सं. 7 कॉलम 1-3

एचएफओ 607 को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

हकृवि ने विकसित की जई की नयी किस्म

हिसार, 4 फरवरी (निस)

चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएचएयू) के चारा अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार की गई जई की किस्म 607 को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है। हकृवि ने दावा किया कि किसानों की आय को दोगुना करने में यह किस्म कारगर साबित होगी। इस किस्म को नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विवि के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। वैज्ञानिकों ने बताया कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त हैं। इस किस्म को डॉ. डीएस फौगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मिनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है।

हिसार में हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा उन्नत जई की नयी किस्म 607। -निस

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक....5. 2. 2020.... पृष्ठ सं....4.... कॉलम....6-8....

हकृवि की जई की नई किस्म एच.एफ.ओ. 607 को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

हिसार, 4 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एच.एफ.ओ. 607 की बिजाई हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है, जिसे नैशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी तथा कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यत: हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है।

जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त हैं। एच.एफ.ओ. 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 क्विंटल प्रति हैक्टेयर दी जो राष्ट्रीय चैक कैंट (549.4 क्विंटल प्रति हैक्टेयर) और

जई की नई उन्नत किस्म।

ओएस 6 (531.5 क्विंटल प्रति हैक्टेयर) से क्रमश: 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चैक ओएल 125 (565.3 क्विंटल प्रति हैक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 क्विंटल प्रति हैक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चैक कैंट (115.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओ.एस. 6 (106.7 क्विंटल प्रति हैक्टेयर) से क्रमश: 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी। इसने नॉर्थ वेस्ट जोन चैक ओएल 125 (107.9 क्विंटल प्रति हैक्टेयर) की तुलना में सूखे चारे की उपज के लिए 21.77 प्रतिशत की श्रेष्ठता दिखाई।

इस किस्म ने 27.6 क्विंटल प्रति हैक्टेयर बीज की पैदावार दी और यह राष्ट्रीय चैक कैंट और ओएस 6 तथा जोनल चैक ओ.एल 125 के बराबर थी और श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओ.एल. 1861 से 29.0 प्रतिशत बेहतर थी। इस किस्म को डा. डी.एस. फौगाट, डा. योगेश जिंदल और डा. मिनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है। डा. नवीन कुमार, डा. दलविंदर पाल सिंह और डा. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 5.2.2020 पृष्ठ सं 18 कॉलम 7-8

पड़ोसी राज्यों में भी जई की नई किस्म विकसित करेगी एचएयू

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। जिसे नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की यह किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी।

एचएफओ ने दी सबसे अधिक पैदावार: एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दी जो राष्ट्रीय चेक केंट (549.4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (531.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चेक ओएल 125 (565.3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक केंट (115.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (106.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी।

एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दी

पोषण व गुणवत्ता में भी यह किस्म श्रेष्ठ

यह पोषण की गुणवत्ता में भी अच्छी है और 9.23 प्रतिशत कच्चे प्रोटीन को दर्शाती है। इसकी इन विट्रो ड्राई मैटर डाइजेस्टिबिलिटी नेशनल चेक केंट और ओएस 6 से 5.03 प्रतिशत बेहतर है तथा जोनल चेक ओएल 125 तथा श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 5.43 प्रतिशत अधिक है। यह किस्म पत्ता झुलसा रोग के प्रति औसत रूप से रोधक है। इस किस्म को डा. डीएस फौगाट, डा. योगेश जिंदल और डा. मिनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......हरि भूमि......
दिनांक......5.2.2020...... पृष्ठ सं......14...... कॉलम......4-5......

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की जई एचएफओ 607 किस्म को राष्ट्रीय पहचान मिली

हिसार। हकृवि किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई हेतु राष्ट्रीयस्तर पर पहचान हुई है जिसे नेशनल ग्रुप मीट रबी 2019-20 के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी तथा कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त हैं। एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दी जो राष्ट्रीय चेक केंट 549.4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और ओएस 6 (531.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चेक ओएल 125 (565.3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक केंट 115.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर और ओएस 6 106.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी। इस किस्म को डॉ. डीएस फोगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मीनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलविंदर पाल सिंह और डॉ. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 5.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 8

हकृवि : जई की नई किस्म एचएफओ-607 को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान

हिसार । किसानों की आय को दोगुना करने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्लाय लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ-607 की बिजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है। इसे नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 4.2.2020 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 2-4

हकृवि की जई की नई किस्म एचएएफओ 607 को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएएफओ 607 की बिजाई के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है जिसे नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी तथा कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है।

इस किस्म को डॉ. डीएस फौगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मिनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलविंदर पाल सिंह और डॉ. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

नई उन्नत किस्म एचएएफओ 607

यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त है। एचएएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दी जो राष्ट्रीय चेक केंट (549.4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (531.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चेक ओएल 125 (565.3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक केंट (115.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (106.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी।

इसने नॉर्थ वेस्ट जोन चेक ओएल 125 (107.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) की तुलना में सूखे चारे की उपज के लिए 21.77 प्रतिशत की श्रेष्ठता दिखाई। इस किस्म ने 27.6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बीज की पैदावार दी और यह राष्ट्रीय चेक केंट और ओएस 6 तथा जोनल चैक ओएल 125 के बराबर थी और श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 29.0 प्रतिशत बेहतर थी। यह पोषण की गुणवत्ता में भी अच्छी है और 9.23 प्रतिशत कच्चे प्रोटीन को दर्शाती है। इसकी इन विट्रो ड्राई मैटर डाइजेस्टिबिलिटी नेशनल चेक केंट और ओएस 6 से 5.03 प्रतिशत बेहतर है तथा जोनल चेक ओएल 125 तथा श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 5.43 प्रतिशत अधिक है। यह किस्म पत्ता झुलसा रोग के प्रति औसत रूप से रोधक है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....पंजाब केसरी........
दिनांक ....4.2.2020.... पृष्ठ सं. ....4.... कॉलम ....1-2....

हकृवि की जई की नई किस्म एचएफओ 607 को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली

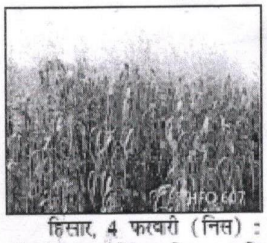

हिसार, 4 फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है जिसे नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फॉरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी तथा कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यत: हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। इस किस्म को डॉ. डीएस फौगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मिनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलविंदर पाल सिंह और डॉ. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम नभ छोर
दिनांक 4.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 5-8

जई की नई किस्म एचएफओ 607 राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति

हिसार/04 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय को दोगुना करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के जैनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के चारा अनुभाग द्वारा जई की किस्म एचएफओ 607 की बिजाई हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हुई है जिसे नेशनल ग्रुप मीट (रबी 2019-20) के दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इंफाल में आयोजित फोरेज क्रॉप्स एंड यूटिलाइजेशन की बैठक में पहचाना गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने वैज्ञानिकों की टीम को बधाई दी तथा कहा कि जई की इस किस्म को उत्तर पश्चिम क्षेत्र मुख्यतः हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड के तराई क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की खेती के लिए पहचाना गया है। यह किस्म उत्पादन तथा पोषण की दृष्टि से उत्तम है। जई की उपरोक्त किस्म एक कटाई तथा सिंचित क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए उपयुक्त हैं।

एचएफओ 607 ने हरे चारे की पैदावार 615.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर दी जो राष्ट्रीय चेक कैंट (549.4 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (531.5 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 11.9 प्रतिशत और 17.4 प्रतिशत अधिक है। इसने उत्तर पश्चिम क्षेत्र चेक ओएल 125 (565.3 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से हरे चारे की उपज के लिए 8.8 प्रतिशत अधिक की श्रेष्ठता दिखाई। सूखे चारे की उपज के लिए इसने 131.2 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज के साथ राष्ट्रीय चेक कैंट (115.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) और ओएस 6 (106.7 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) से क्रमशः 12.98 प्रतिशत और 23.93 प्रतिशत अधिक पैदावार दी। इसने नॉर्थ वेस्ट ज़ोन चेक ओएल 125 (107.9 क्विंटल प्रति हेक्टेयर) की तुलना में सूखे चारे की उपज के लिए 21.77 प्रतिशत की श्रेष्ठता दिखाई। इस किस्म ने 27.6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर बीज की पैदावार दी और यह राष्ट्रीय चेक केंट और ओएस 6 तथा जोनल चैक ओएल 125 के बराबर थी और श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 29.0 प्रतिशत बेहतर थी। यह पोषण की गुणवत्ता में भी अच्छी है और 9.23 प्रतिशत कच्चे प्रोटीन को दर्शाती है। इसकी इन विट्रो ड्राई मैटर डाइजेस्टिबिलिटी नेशनल चेक केंट और ओएस 6 से 5.03 प्रतिशत बेहतर है तथा जोनल चेक ओएल 125 तथा श्रेष्ठ क्वालिफाइंग किस्म ओएल 1861 से 5.43 प्रतिशत अधिक है। यह किस्म पत्ता झुलसा रोग के प्रति औसत रूप से रोधक है। इस किस्म को डॉ. डीएस फौगाट, डॉ. योगेश जिंदल और डॉ. मीनाक्षी जाटान द्वारा विकसित किया गया है। डॉ. नवीन कुमार, डॉ. दलविंदर पाल सिंह और डॉ. जयंती टोकस ने भी इस किस्म को विकसित करने में सहयोग दिया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण, अमर उजाला
दिनांक 5-2-2020 पृष्ठ सं 18, 2 कॉलम 1, 3

एचएयू में फलों और सब्जियों पर साप्ताहिक प्रशिक्षण 26 से

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में अनुसूचित जाति व जनजाति के युवाओं के लिए फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 26 फरवरी से 4 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। प्रोफेसर और प्रमुख और पाठ्यक्रम निदेशक डा. राकेश गहलोत ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विशेष रूप से 18 से 25 वर्ष की आयु के 12वीं पास अनुसूचित जाति व जनजाति युवाओं के लिए है। प्रशिक्षण के लिए 25 उम्मीदवारों का चयन पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

हकृवि में साप्ताहिक प्रशिक्षण 26 से

हिसार। एचएयू के खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में फलों और सब्ज़ियों के प्रसंस्करण पर साप्ताहिक प्रशिक्षण 26 फरवरी से चार मार्च तक करवाया जाएगा। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. राकेश गहलोत ने बताया कि प्रशिक्षण 18 से 25 वर्ष की आयु के 12वीं पास अनुसूचित जाति व जनजाति युवाओं के लिए है। प्रशिक्षण के लिए 25 उम्मीदवारों का चयन विभागीय चयन समिति द्वारा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....नभ छोर.....
दिनांक...4.2.2020..... पृष्ठ सं...6..... कॉलम...7-8.....

हकृवि में फलों और सब्जियों पर सप्ताहिक प्रशिक्षण 26 से

हिसार/04 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में अनुसूचित जाति व जनजाति के युवाओं के लिए फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 26 फरवरी से 04 मार्च, 2020 तक आयोजित किया जाएगा। प्रोफेसर और प्रमुख और पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. राकेश गहलोत ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विशेष रूप से 18 से 25 वर्ष की आयु के 10+2 पास अनुसूचित जाति व जनजाति युवाओं के लिए है । इस प्रशिक्षण के लिए 25 उम्मीदवारों का चयन विभागीय चयन समिति द्वारा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। उम्मीदवारों के आवेदन, जिन्होंने पहले से ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है, विभागीय चयन समिति द्वारा पाठ्यक्रम में चयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा। डॉ. राकेश गहलोत ने कहा कि हमारे केंद्र द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के रोजगार सृजन पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि इच्छुक युवाओं को फलों और सब्जियों की नवीनतम प्रसंस्करण तकनीकों से परिचित कराया जा सके। पाठ्यक्रम समन्वयक, डॉ. रेखा और डॉ. रितु सिंधु ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैम, जेली, मुरब्बा, पनीर, टॉफी, सॉस, चटनी, अचार, रेडी-टू-सर्व ड्रिंक, स्क्वैश और सिरप जैसे मूल्य वर्धित फलों और सब्जियों के उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण पर व्यावहारिक प्रदर्शन दिया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........सिटी पल्स........
दिनांक....4.2.2020.... पृष्ठ सं....1.... कॉलम....1:2....

हकृवि में फलों और सब्जियों पर साप्ताहिक प्रशिक्षण 26 से

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र में अनुसूचित जाति व जनजाति के युवाओं के लिए फलों और सब्जियों के प्रसंस्करण पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 26 फरवरी से 04 मार्च, 2020 तक आयोजित किया जाएगा। प्रोफेसर और प्रमुख और पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. राकेश गहलोत ने बताया कि यह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विशेष रूप से 18 से 25 वर्ष की आयु के 10+2 पास अनुसूचित जाति व जनजाति युवाओं के लिए है। इस प्रशिक्षण के लिए 25 उम्मीदवारों का चयन विभागीय चयन समिति द्वारा पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। उम्मीदवारों के आवेदन, जिन्होंने पहले से ही इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया है, विभागीय चयन समिति द्वारा पाठ्यक्रम में चयन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

डॉ. राकेश गहलोत ने कहा कि हमारे केंद्र द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के रोजगार सृजन पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि इच्छुक युवाओं को फलों और सब्जियों की नवीनतम प्रसंस्करण तकनीकों से परिचित कराया जा सके। पाठ्यक्रम समन्वयक, डॉ. रेखा और डॉ. रितु सिंधु ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैम, जेली, मुरब्बा, पनीर, टॉफी, सॉस, चटनी, अचार, रेडी-टू-सर्व ड्रिंक, स्क्वैश और सिरप जैसे मूल्य वर्धित फलों और सब्जियों के उत्पादों के प्रसंस्करण और संरक्षण पर व्यावहारिक प्रदर्शन दिया जाएगा।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...पाठक पक्ष...
दिनांक...4...2...2020... पृष्ठ सं...3... कॉलम...1-2...

दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारम्भ

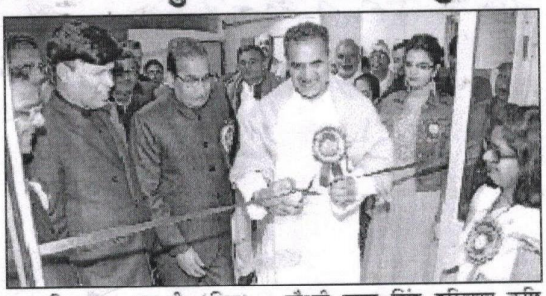

हिसार, 4 फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती स्थापना दिवस के उपलक्ष में दो दिवसीय पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारम्भ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री, भारत सरकार, डॉ. संजीव बालियान थे तथा विशिष्ठ अथिति के तौर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह उपस्थित थे। विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि इस पुस्तक प्रदर्शनी में जाने माने 11 पब्लिशर्स/वेंडर्स द्वारा भाग लिया गया। पुस्तक प्रदर्शनी की सम्पूर्ण देख रेख परिग्रहण विभाग के अध्यक्ष डॉ. भानु प्रताप द्वारा की जा रही है।